Tender Heart High School, Sec. 33-B, Chd.

कक्षा- आठवीं विषय-हिंदी (पाठ-7 'हाथ का लिखा मासिक पत्र') शेष भाग
शिक्षिका- सुमन शर्मा

पृष्ठ-55,56,57

पुस्तक- नवतरंग - 8

पाठ-7 'हाथ से लिखा मासिक पत्र' का शेष भाग- -

प्यारे बच्चो, सुप्रभात!

आज हम कक्षा आठवीं के पाठ-7 हाथ का लिखा मासिक पत्र के शेष भाग को पढ़ेंगे। यह कार्य आपको 29.7.24 को भेजा जा रहा है।

सब बच्चे अपनी पुस्तक का पृष्ठ-55 खोलें और अभ्यास-पुस्तिका भी खोलकर रख लें। मैं पढ़ाते समय पाठ के बीच में से कुछ प्रश्न पूछती जाऊँगी। अत: सभी बच्चे पाठ को ध्यान से पढ़ेंगे, सुनेंगे व समझेंगे।

बच्चो! हस्तलिखित मासिक पत्र हर महीने निकाला जा सकता है। यदि ऐसा संभव न हो पाए तो तीन महीने में एक बार, साल में दो बार या किसी उत्सव के समय निकाला जा सकता है। 'वसंतांक' और 'विजयांक' निकालना भी अच्छा ढंग होगा। कोई बात पहले ही तय कर लो। जिस अवसर पर निकालने का निश्चय हो जाए, उस अवसर पर ज़रूर निकाल डालो। पत्र का हर अंक पड़ोस के पुस्तकालय या किसी विश्वसनीय व्यक्ति के पास सुरक्षित रखना चाहिए।

ऐसा पत्र जिस स्थान से निकाला जाए, उस स्थान की सभी चीजें जैसे- आस-पास में कोई नदी, पहाड़, झरना, जंगल, पुराना टीला, गढ़, मंदिर, तालाब, कारखाना, तीर्थ, दृश्य मेला, फूल, फल, वृक्ष, पशु, पक्षी, मिट्टी, पर्व-त्योहार, जनसंख्या, घरेलू उद्योग-धंधे, खेती बारी

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-7 'हाथ का लिखा मासिक पत्र')

आदि विषय के संबंध में जानने योग्य बातों का संग्रह करके लेख लिखें और लिखवाए जाएँ। ऐसा करने से एक मनोरंजक इतिहास तैयार हो सकता है। नई पीढ़ी इस इतने बड़े काम को खेल के माध्यम से ही पूरा कर सकती है।

लेख लिखने से पहले विषय का चुनाव अति आवश्यक है। इस मासिक पत्र को लिखने के लिए बच्चे अपने शिक्षकों की मदद ले सकते हैं। वे अपने क्षेत्र के किसी आदर्श पुरुष या स्त्री का परिचय, बड़े-बुजुर्गों का अनुभव, नामी पहलवानों, गाने वाले, कारीगरों के बारे में, परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्न, नानी-दादी से सुनी कहानियाँ, अपने गाँव, नगर और जिले की खबरें, शादी-ब्याह या जन्म-बधाई के गीतों का संग्रह, कोई विशेष बात, मुहावरा, कहावत, पहेली, किसी की सीख, पाठ्य-पुस्तकों की पाँति, छोटे भाई-बहन का नटखटपन आदि को लेख में शामिल कर सकते हैं।

बच्चो! अब मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछूँगी। प्रश्नों के उत्तर आप तीन मिनट का अंतराल लेकर लिखेंगे।

प्रश्न-1. मासिक पत्र का नाम कैसा होना चाहिए?
प्रश्न-2. पत्र के लिए चित्र कहाँ से मिलेंगे?
प्रश्न-3. पत्र की लिखावट कैसी होनी चाहिए?

बच्चो, अब आपके उत्तर लिखने का समय समाप्त हुआ। इन प्रश्नों के उत्तर इस प्रकार हैं—

उत्तर-1. मासिक पत्र का नाम मधुर और पवित्र होना चाहिए और उसे पत्र के सबसे ऊपर फूलदार अक्षरों में लिखा जाना चाहिए।

उत्तर-2. पत्र के लिए चित्र अखबार, कपड़ों पर रंगीन तस्वीरें चिपकी रहती हैं उन्हें लेकर, कतरन काटकर, विज्ञापनों में भी बहुत से आकर्षक चित्र छपते हैं, जो अखबार में

29.7.24

DATE
PAGE No 3

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ- हाथ का लिखा मासिक पत्र)

दिए गए होते हैं। जहाँ भी सुंदर चित्र दिखाई दें, उन्हें वहाँ से काट कर इकट्ठा कर सकते हैं। उन्हीं में फूल-पत्ती की किनारी मिल जाएगी। जो चित्र बनाना जानता है, उससे विभिन्न प्रकार के चित्र बनवाए जा सकते हैं।

उत्तर-3 पत्र की लिखावट सुंदर अक्षरों में होनी चाहिए। ऐसे अक्षर जो फूलदार हों, जहाँ-तहाँ से कैंची से काटकर जुड़ाए जा सकते हैं। जो सुंदर अक्षर लिख सकता हो, उस व्यक्ति की मदद भी ली जा सकती है।

बच्चो! अब हम पाठ को आगे बढ़ाते हुए पढ़ते हैं-

लेख के अनेक विषय हो सकते हैं। अपने गाँव-घर में लिखने योग्य बातें, अपने देश, समाज-सुधार, शिक्षा-सुधार, स्वास्थ्य रक्षा, ग्राम संगठन, घरेलू नुस्खे, नए-नए आविष्कार, म्युनिसिपैलिटी के दोष, अशुद्ध बाज़ारू चीज़ों से हानि, रेल मुसाफ़िरों की कठिनाइयाँ, गंदी आदतें, गाँव की सड़कें, बरात और भोज में फिजूलखर्ची, सिनेमा से हानि-लाभ - इस तरह के अनेक विषय तुम्हारे सामने हैं, जिन पर सम्मति से लिखा जा सकता है।

पत्र-पत्रिका में भाषा सरल और शुद्ध होनी चाहिए। अपने गुरुजनों से पूछताछ अथवा सलाह भी ली जा सकती है। पत्रिका की सुंदरता को कायम रखने के लिए कागज़ के रंग बदले जा सकते हैं, रोशनाई (स्याही) बदली जा सकती है परन्तु आकार नहीं बदलना चाहिए। कागज़ का एक ही आकार रखना चाहिए।

सभी बच्चे मिलकर 'हस्तलिखित मासिक पत्र' को तैयार करें क्योंकि आने वाले युग में हाथ के लिखे सचित्र पत्र की बहुत कद्र की जाएगी अर्थात् महत्व

(पृष्ठ-3)

Scanned with CamScanner

DATE 29.7.24
PAGE No. 4

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-7 "हाथ का लिखा मासिक पत्र")

दिया जाएगा। भविष्य में ऐसे पत्रों की खोज या प्रदर्शनी का आयोजन अथवा इन पत्रों का इतिहास भी लिखा जा सकता है।

बच्चो! यह पाठ यहाँ समाप्त हुआ। आशा है सब बच्चों को यह भाग तथा पिछले सप्ताह भेजा गया कार्य पाठ-7 का, समझ में आ गया होगा। अब मैं गृहकार्य देने जा रही हूँ।

गृहकार्य :-

सब बच्चे पृष्ठ-57 और 58 पर लिखे पाठ बोध के प्रश्न संक्षेप में और विस्तार से लिखने का प्रयास करेंगे।

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ-4)

Scanned with CamScanner